Toppersnotes®
Unleash the topper in you

UP - PCS

प्रादेशिक प्रशासनिक सेवा

Prelims & Mains

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज

सामान्य अध्ययन

पेपर 1 – भाग 4

विश्व का इतिहास

SIERRA INNOVATIONS

UP - PCS

पेपर -1 भाग - 4

विश्व का इतिहास

S.No.	Chapter Name	Page No.
1.	**सामंतवाद** • सामंतवाद की प्रमुख विशेषताएँ • सामंतवाद का पतन • पुनर्जागरण	**1**
2.	**प्रबोधन का युग** • प्रबोधन के उदय के कारण • प्रबोधन के लक्षण • विचारकों और दार्शनिकों द्वारा निभाई गई भूमिका • ज्ञानोदय और पुनर्जागरण • प्रभाव • प्रबोधन के युग का अंत	**8**
3.	**अमरीकी क्रांति** • विभिन्न घटनाओं की एक श्रृंखला ने अमेरिकी क्रांति का नेतृत्व किया • अमेरिकी विजय के कारण • अमेरिकी क्रांति का प्रभाव • अमेरिकी गृहयुद्ध (1861-1865)	**11**
4.	**फ्रांस की क्रांति** • पृष्ठभूमि • फ्रांसीसी क्रांति के कारण • फ्रांसीसी क्रांति के चरण • फ्रांसीसी क्रांति में महिलाओं की भूमिका • फ्रांसीसी क्रांति का प्रभाव • नेपोलियन का युग	**18**
5.	**औद्योगिक क्रांति** • औद्योगिक क्रांति का उदय • औद्योगिक क्रांति सर्वप्रथम इंग्लैंड में क्यों हुई? • औद्योगिक क्रांति का प्रभाव • जर्मनी में औद्योगिक क्रांति	**31**
6.	**रूसी क्रांति** • पृष्ठभूमि • 1917 की रूसी क्रांति के कारण • रूसी क्रांति के प्रभाव	**42**
7.	**यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय** • राष्ट्रवाद का अर्थ • यूरोप में राष्ट्रवाद का निर्माण • उदारवादियों की क्रांति • जर्मनी और इटली का निर्माण	**45**

8.	**प्रथम विश्व युद्ध (1914-1918)** • पृष्ठभूमि • प्रथम विश्व युद्ध के कारण • युद्ध • प्रथम विश्व युद्ध के परिणाम • राष्ट्र संघ	**55**
9.	**दो विश्व युद्धों के बीच का काल** • युद्ध की अवधि में विश्व अर्थव्यवस्था: समृद्धि और अवसाद • 1929 की महामंदी • सर्वसत्तावादी शासन: फासीवाद और नाज़ीवाद • फासीवाद क्या है? **नाज़ीवाद और हिटलर का उदय** • नाज़ीवाद • सत्ता में हिटलर का उदय • नाजी कार्रवाई • नस्लीय यूटोपिया • नाजी जर्मनी में युवा	**63**
10.	**द्वितीय विश्व युद्ध** • द्वितीय विश्व युद्ध के कारण • घटनाओं का क्रम • जर्मनी युद्ध क्यों हार गया • युद्ध के परिणाम • द्वितीय विश्व युद्ध के बाद	**72**
11.	**शीत युद्ध (1945-1991)** • शीत युद्ध के कारण • शीत युद्ध के चरण • शीत युद्ध की महत्वपूर्ण घटनाएँ • शीत युद्ध का अंत • सोवियत संघ के पतन के कारण • शीत युद्ध के प्रभाव	**79**
12.	**समाजवाद और साम्यवाद** • समाजवाद • भारत में समाजवाद • साम्यवाद	**85**
13.	**उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद** • उपनिवेशवाद • साम्राज्यवाद • नव साम्राज्यवाद	**89**
14.	**चीनी क्रांति** • चीनी गृहयुद्ध की पृष्ठभूमि • चीनी गृहयुद्ध का प्रकोप • शत्रुता का पुनरारंभ और गृहयुद्ध की समाप्ति	**96**

15.	**मध्य पूर्व में संघर्ष** • परिचय • अरब एकता और बाहरी विश्व द्वारा हस्तक्षेप • मध्य पूर्व में अन्य देशों द्वारा हस्तक्षेप • इज़राइल का निर्माण और अरब - इज़राइल युद्ध • इज़राइल के खिलाफ अरब की लड़ाई (1948-49) • अरब देशों के खिलाफ इजरायल की लड़ाई (1967) • संयुक्त राष्ट्र चार्टर और सिनाई प्रायद्वीप की वापसी • हमास और फतह • इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष और अमेरिका • भविष्य के पहलू	**99**

1
CHAPTER

सामंतवाद

- सामंतवाद, **मध्ययुगीन यूरोप में 9वीं से 14वीं शताब्दी के मध्य प्रचलित** एक आर्थिक, विधिक, राजनीतिक और सामाजिक संबंधों का एक संयोजन है।
- यह **एक तरह के कृषि उत्पादन को इंगित करता है** जो सामंत और कृषकों के संबंधों पर आधरित है।
- यह **सरदारों, जागीरदारों और जागीरों की तीन प्रमुख अवधारणाओं** के पारस्परिक विधिक और सैन्य दायित्वों का एक समूह है।
- यह **भूमि उपयोग और संरक्षण की एक पदानुक्रमित प्रणाली** थी जो 9वीं और 14वीं शताब्दी में यूरोप पर हावी थी।
- कानूनी रूप से **राजा या सम्राट भूमि का स्वामी** होता था। समस्त **भूमि विविध श्रेणी के सामन्तों के स्वामित्व मे और वीर सैनिकों मे विभक्त** थी।
- सामन्तों मे यह **वितरित भूमि उनकी जागीर** होती थी। राजा या सम्राट से इनको **संरक्षण प्राप्त** होता था।
- ये सामन्त अपनी **भूमि को कृषकों मे बांट देते थे** और उनसे खेती करवाते थे।
- ये कृषकों से अपनी **इच्छानुसार कर** के रूप मे खूब धन **वसूल करते थे**। ये सामन्त **कृषकों का** भरपूर **शोषण** करते थे।
- **सामाजिक असमानता के बावजूद** इसने यूरोपीय समाज को **स्थिरता** प्रदान की।

सामंतवाद की प्रमुख विशेषताएँ

महल

- **महल:** सामंतवाद की मुख्य विशेषता।
- **सामंती लॉर्ड्स** विशाल महल या किलों में **रहते थे**।
- महल के **अंदर भगवान का निवास और दरबार** मौजूद था।
- महल के अंदर **हथियारों और अनाज को संग्रहित** किया जाता था ।
- बाहरी आक्रमण के दौरान **आम लोगों को आश्रय** प्रदान करने का कार्य करता था।

मनेर

- **महल से जुड़ी भूमि** को मनेर के नाम से जाना जाता था।
- यह एक **छोटी सी संपत्ति** की तरह था।
- महल, खेती योग्य भूमि, छोटे सामंतों अथवा बैरन के घर और चर्च इसके साथ जुड़े थे।
- एक **सामंती लॉर्ड के पास** एक या **एक से अधिक मेनर** थे।
- मेनर के स्वामित्व के अनुसार, एक सामंती लॉर्ड की **ताकत को आँका** जाता था।

डिमेंन

- अपने **दासों के बीच** भूमि **बांटने के बाद सामंती लॉर्ड के पास बची हुई भूमि**।

सामंती समाज: सामाजिक संरचना

- समाज के विभाजन एक **पिरामिड पैटर्न** पर हुआ था।
- यह समाज **मुख्यतः कृषि प्रधान** था।
- **'राजा' समाज के शीर्ष पर** था और वह काफी शक्तिहीन था।
- **उसके नीचे 'सामंती लॉर्ड'** को रखा गया था।
- **फिर 'दास' या 'स्वतंत्र किसान'** का स्थान था।

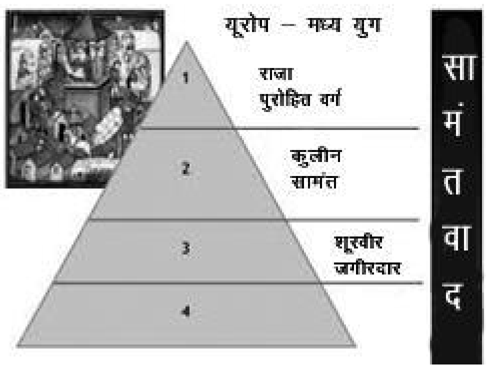

- वे **स्वतंत्र व्यवसायों का सहारा ले सकते थे** और एक स्थान से दूसरे स्थान पर जा सकते थे।
- **समाज में सबसे निचले** स्तर पर **आसामी-कृषकों (सर्फ)** का स्थान था।

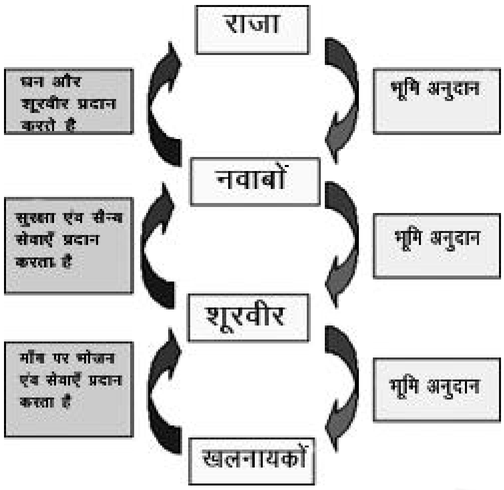

योद्धा (नाइट)

- योद्धा, **घोड़े पर सवार भारी बख्तरबंद सैनिक** थे।
- **केवल सबसे धनी सामंती लॉर्ड** ही योद्धा हो सकते थे
- एक योद्धा **शत्रु से लड़ने और कमजोरों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध** थे।

सामंती लॉर्ड के अधिकार और कर्तव्य

- उनमें से अधिकांश **सरकार, सेना और कूटनीति के कार्यों में लीन** थे।
- उनका **मुख्य कर्तव्य अपनी प्रजा को आक्रमणकारियों से बचाना** था।
- लॉर्ड्स को **कुछ अधिकार भी प्राप्त** थे।
- **वार्डशिप:** एक लॉर्ड एक मातहत (वसाल) जो एक नाबालिग पुत्र को छोड़कर मर गया हो, की भूमि का मालिक होता था जब तक की वह नाबालिग योग्य न हो जाए।

मातहत (वसाल) का कर्तव्य

- **मातहत (वसाल):** एक व्यक्ति जो लॉर्ड एवं सम्राट दोनों के लिए पारस्परिक दायित्व था
- जब भी **लॉर्ड को आवश्यकता हो, दास को दरबार में उपस्थित होना** पड़ता था।

समर्पण समारोह: 'लॉर्ड' एवं 'मातहत' के मध्य संबंधों को मजबूत करने के लिए आयोजित समारोह ।

सामंतवाद का पतन

- **14वीं शताब्दी तक** सामंतवाद का पतन हो गया।
- अंतर्निहित कारणों में राजनीतिक परिवर्तन, युद्ध, बीमारी आदि शामिल थे।

कारण

सामंतवाद का बदलता स्वरुप	• **सामंतों की शक्ति बहुत अधिक बढ़ गयी थी,** अतः राजाओं ने उन पर अंकुश लगाना प्रारम्भ किया। • **बारूद और हथियारों की खोज** के साथ-साथ **मध्यम वर्ग, व्यापारियों से प्राप्त धन ने** राजाओं की मदद की और **सामंतों पर** उनकी **निर्भरता को कम** कर दिया।
व्यापार और वाणिज्य का विकास	• व्यापार और वाणिज्य में **भारी वृद्धि के कारण सर्फ़ों की मुक्ति** सुनिश्चित हुई • **नए शहरों और कस्बों का विकास** हुआ जिससे **काम के नए अवसर** मिले। • सर्फ़ों को सामंती लॉर्ड से खुद को मुक्त करने का अवसर मिला।

धर्मयुद्ध	• **व्यापार के नए अवसर मिले** • सामंतों ने अपनी जान गंवाई। • **बारूद के आविष्कार ने सामंती महलों के महत्व** को **कम** किया।
ब्यूबोनिक प्लेग/ ब्लैक डेथ	• एक प्रकार के **जीवाणु संक्रमण से फैली महामारी** जिसने **पश्चिमी यूरोप की कम से कम एक तिहाई आबादी को ख़त्म कर दिया।**
राजनीतिक परिवर्तन	• **हेनरी द्वितीय के** 12वीं शताब्दी के **सुधारों ने** विचाराधीन मुक़दमे में संधिग्द व्यक्ति के **कानूनी अधिकारों का विस्तार किया।** • **क्रमिक विकास ने कृषि दासता की अवधारणा को अक्षम्य बना दिया।**
सामाजिक अशांति	• **1350 के दशक तक**, युद्ध और बीमारी ने यूरोप की आबादी को इस हद तक कम कर दिया था कि **किसान श्रम काफी मूल्यवान** हो गया था। • इन परिस्थितियों का सामना करने में अक्षम **यूरोप के किसानों ने विद्रोह** कर दिया।

पुनर्जागरण

- पुनर्जागरण ने **आधुनिक युग की शुरुआत एवं मध्य युग की समाप्ति** को चिन्हित किया।
- 15वीं शताब्दी में, **यूरोपीय में साहित्य, कला, वास्तुकला और संस्कृति के एक नए रूप** अर्थात पुनर्जागरण का विकास हुआ।
- पुनर्जागरण ने **मानव ज्ञान के क्षितिज का विस्तार** था जो कला, साहित्य और विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में परिलक्षित हुआ।

अर्थ

- **फ्रेंच शब्द** है जिसका का अर्थ है **पुनर्जन्म या पुनरुद्धार**।
- यह **मानव हितों के लगभग हर क्षेत्र में हुए परिवर्तनों** को दर्शाता है।
- इसके द्वारा यूरोपीय लोगों के बीच एक **जिज्ञासु प्रवृति और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित** हुआ।
- इसने **मध्ययुगीन धार्मिक व्यवस्था को चुनौती** दी।
- यह **रूढ़िवादी चर्च और पोप की प्रभुता के खिलाफ** था।
- इसने एक नई धार्मिक व्यवस्था यानी **प्रोटेस्टेंटवाद को जन्म** दिया।
- **प्लेटो, अरस्तू** आदि के कार्यों में उनकी विभिन्न विषयों पर गहन रुचि परिलक्षित हुई।
- इसने **पूछताछ की प्रवृत्ति और विचार की स्वतंत्रता का विकास** किया
- **इटली** में शिक्षित लोगों के एक छोटे समूह के साथ विकसित पुनर्जागरण, **फ्रांस, जर्मनी और इंग्लैंड** आदि में भी फैल गया।

पुनर्जागरण के उदय के कारक

सामंतवाद का पतन

- व्यापार और वाणिज्य के विकास ने **मुद्रास्फीति को जन्म दिया** जिससे **कारीगरों, व्यापारियों और किसानों को बहुत लाभ** हुआ।
- कर्ज नहीं चुकाने के कारण **सामंतों को जमीन बेचने के लिए मजबूर** होना पड़ा
- इसने **व्यक्तिवाद के विकास में योगदान** दिया और पुनर्जागरण के कारण को बढ़ावा दिया।

धर्मयुद्ध का प्रभाव

- 11वीं से 14वीं शताब्दी में **ईसाइयों और मुसलमानों के बीच कई धार्मिक युद्ध** हुए।
- **पश्चिमी विद्वान पूर्व के संपर्क में आए** जो अधिक सभ्य और मंझे हुए था।
- **नए विचारों और वैज्ञानिक प्रवृत्तियों** ने पुनर्जागरण को स्थान दिया।

चर्च के प्रभाव में कमी

- शक्तिशाली सम्राटों ने **चर्च की अस्थायी शक्ति को चुनौती** दी।
- **1296 A.D: फ्रांस के राजा फिलिप IV ने पोप को गिरफ्तार कर लिया** और उन्हें कैदी बना लिया।
- **पोप की शक्ति** और प्रतिष्ठा **के लिए यह एक गंभीर आघात** था।
- लोगों ने अब **भविष्य के बजाय वर्तमान को महत्व** दिया।

प्रगतिशील शासकों और कुलीनों का योगदान

- कुछ प्रगतिशील शासकों, पोप और सामंतों ने पुनर्जागरण को बढ़ावा देने के उपायों को अपनाया।
- कुछ राजाओं, पोपों और सामंतों ने **साहित्यकारों, कलाकारों और वैज्ञानिकों को संरक्षण** दिया और इस तरह पुनर्जागरण में योगदान दिया।

भौगोलिक खोज

- भौगोलिक यात्रा एक प्रबल कारक थी
- **नाविकों के दिशा सूचक यंत्र के आविष्कार** ने साहसी लोगों को समुद्री यात्राओं के लिए प्रोत्साहित किया।
- **दूरबीन की खोज** ने खगोल विज्ञान का अध्ययन शुरू किया।
- उपशास्त्रीय व्यवस्था के अधिकार को कमजोर करने में योगदान दिया।

आर्थिक समृद्धि

- 12वीं और 13वीं शताब्दी के दौरान व्यापार और वाणिज्य में उल्लेखनीय प्रगति हुई।
- **व्यापारियों, बैंकरों और निर्माताओं का धनी वर्ग** उभरा
- **कलाकारों को सुरक्षा और संरक्षण** प्रदान किया गया और उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसने पुनर्जागरण के उदय में सहायता की।

प्रिंटिंग प्रेस का अविष्कार

- 1454: **छपाई मशीनों ने पत्र और पुस्तकें मुद्रित** कीं।
- कम समय में बहुत ही आसानी से पुस्तकें प्रकाशित की जाने लगी।
- **लोग आसानी से पुस्तकें प्राप्त कर सकते थे और बहुत कुछ सीख सकते थे।**

क़ुस्तुंतुनिया का पतन

- पुनर्जागरण का मुख्य कारण क़ुस्तुंतुनिया का पतन था।
- लंबे समय तक, इसने **शिक्षा और संस्कृति के केंद्र के रूप में कार्य** किया।
- क़ुस्तुंतुनिया के लोगों ने **इटली के लोगों को गणित, इतिहास, भूगोल, दर्शनशास्त्र, खगोल विज्ञान, चिकित्सा आदि पढ़ाया** और इस तरह उन्होंने पुनर्जागरण का मार्ग प्रशस्त किया।

पुनर्जागरण के जन्मस्थान: इटली

- पुनर्जागरण सबसे पहले इटली में शुरू हुआ था।
- इतालवियों ने सबसे पहले साहित्य, वास्तुकला, मूर्तिकला, चित्रकला, संगीत और विज्ञान की उत्कृष्ट कृतियों का निर्माण किया
  - बाद के वर्षों में दूसरों के लिए सतत प्रेरणा का स्रोत बने।
- **निम्नलिखित कारणों से इटली में पुनर्जागरण की शुरुआत हुई:**
  - **इटली का विगत गौरव**
    - प्राचीनकाल में इटली गौरवशाली रोमन सभ्यता का केंद्र था।
    - महान रोमन साम्राज्य के सभी ऐतिहासिक अवशेष वहां बिखरे पड़े थे।
    - इसलिए इटली विद्वानों और कलाकारों के लिए एक आकर्षण का केंद्र था।

- **यूनानी विद्वानों का आगमन**
  - 1453 में कुस्तुंतुनिया के पतन के बाद, कई यूनानी विद्वान और विचारक अपनी मूल पांडुलिपियों और कला के साथ इटली चले गए।
  - इटली के लोगों में जानने की ललक पैदा की।
  - इतालवियों को उत्कृष्ट कृतियों का अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित किया।
- **आर्थिक समृद्धि**
  - व्यापार के कारण इटली के पास अपार संपदा थी।
  - फ्लोरेंस: इटली का एक विकासशील शहर जो विद्वानों का बड़ा केंद्र बन गया।
- **एशिया के साथ इतालवी संपर्क**
  - धर्मयुद्ध ने एशिया के साथ नया संपर्क स्थापित किया।
  - उनकी दृष्टि को व्यापक बनाया और उनकी जीवन शैली को नया रूप दिया।
  - पुनर्जागरण को गति प्रदान की।

पुनर्जागरण की विशेषताएं

मानवतावाद	• विद्वानों ने मानव मूल्यों पर बल दिया और व्यक्ति को एक स्वतंत्र एजेंट के रूप में पेश करने का प्रयास किया। • लियोन बत्तीस्ता अल्बर्टी ने "पुरुष यदि चाहें तो सब कुछ कर सकते हैं" के द्वारा पुनर्जागरण की भावना को बल दिया।
आभिजात्यवाद	• लोगों ने शास्त्रीय कला रूपों को अपनाया। • लगभग सभी ललित कलाओं जैसे वास्तुकला, मूर्तिकला, संगीत, चित्रकला आदि ने इस अवधि के दौरान जबरदस्त प्रगति की। • कुछ प्रमुख कलाकार- लियोनार्डो दा विंची, माइकल एंजेलो, राफेल, टाइटन आदि।
मुक्त संस्कृति	• सीखने की ललक और शिक्षा के प्रति जागरूकता ने लोगों को चर्च के आधिपत्य से मुक्त किया। • समकालीन समाज ने धर्मनिरपेक्ष साहित्य का उच्चस्तरीय विकास देखा। • विद्वानों और कलाकारों ने संस्कृति पर चर्च के एकाधिकार के खिलाफ खुलेआम विद्रोह किया।
प्राकृतिक और प्रायोगिक विज्ञान	• यह नई खोजों और सर्वांगीण विकास का युग था। • पोलैंड के कोपरनिकस ने भू-केंद्रित सिद्धांत यानी पृथ्वी सौर मंडल का केंद्र थी, को चुनौती दी और हेलियो-केंद्रित सिद्धांत सिद्ध किया कि सूर्य स्थिर है और पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है।

प्रभाव

 # साहित्य

- साहित्य का जन्म इटली में हुआ।
- **पहला उल्लेखनीय काम: "दांते की डिवाइन कॉमेडी**" इतालवी में लिखा गया है।
- **पेट्रार्क** ने मध्यकालीन विचार की आलोचना की और **जीवन और मानवतावाद के धर्मनिरपेक्ष या सांसारिक हित का महिमामंडन** किया।
- **बोकासियो द्वारा लिखित डिकैमेरॉन की किताब** ने ईसाई दुनिया में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाले ईश्वर के अस्तित्व की निंदा की।
- **मैकियावेली ने लिखा- "द प्रिंस"**।
- इंग्लैंड में **थॉमस मोरेस का "यूटोपिया", मिल्टन का "पैराडाइज लॉस्ट" और "पैराडाइज रिगेन्ड"** बहुत प्रसिद्ध थे
- इंग्लैंड के नाटककार **विलियम शेक्सपियर "जूलियस सीज़र", "ओथेलो", "मैकबेथ", "ऐज़ यू लाइक इट", "रोमियो एंड जूलियट", "हैमलेट", "वेनिस के मर्चेंट", किंग लियर** जैसे नाटकों के लिए प्रसिद्ध हुए।
- **मार्टिन लूथर ने बाइबिल का जर्मन भाषा में अनुवाद** किया।

कला

- **पहले** कलाकार **भिक्षुओं, धर्माध्यक्षों, पुजारियों के चित्र बनाने के लिए बाध्य** थे।
- पुनर्जागरण कलाकारों ने **शास्त्रीय सभ्यता में बढ़ती रुचि** विकसित की।
- यूरोपीय कला में महान परिवर्तन देखा गया।
- **पंद्रहवीं और सोलहवीं शताब्दी में यह मूलरूप में अधिक धर्मनिरपेक्ष** हो गया।

स्थापत्य

- **यूनानियों और रोमनों की महान कृतियों** को इतालवी और अन्य यूरोपीय कलाकारों द्वारा खोजा गया और उन**का अनुकरण** किया गया।
- पुनर्जागरण युग के निर्माताओं ने **ग्रीक और रोमन शैली में कई गिरजाघरों, महलों और विशाल इमारतों का निर्माण किया**।
- **फ्लोरेंस**, एक इतालवी शहर - कला की दुनिया का केंद्र बना।
- **"रोम के सेंट पीटर्स गिरजाघर", मिलान का गिरजाघर और वेनिस के महल** आदि पुनर्जागरण वास्तुकला के उदाहरण हैं।

मूर्तिकला

- **लोरेंजो घिबर्टी:** इस अवधि के दौरान इटली के प्रसिद्ध मूर्तिकार।
- **फ्लोरेंस में गिरजाघर के कांस्य दरवाजे** अपनी उत्कृष्ट सुंदरता के लिए प्रसिद्ध थे।
- **सेंट जॉर्ज और सेंट मार्क की यथार्थवादी मूर्ति**।
- **रोम में "मूसा", "बेसिलिका ऑफ सेंट पीटर" की भव्य प्रतिमा** भी बनाई।

चित्रकला

- **लियोनार्डो दा विंची:** "मोनालिसा" की प्रसिद्ध पेंटिंग, "द लास्ट सपर", "द वर्जिन ऑफ द रॉक" और "द वर्जिन एंड चाइल्ड विद सेंट ऐनी उनकी अन्य पेंटिंग हैं।
- **माइकल एंजेलो** की क्रिएशन ऑफ एडम एंड द लास्ट जजमेंट।
- **राफेल** की पेंटिंग शांति और सुंदरता को दर्शाती है।
- **सिस्टिन मैडोना** की पेंटिंग ने उन्हें विश्व प्रसिद्ध चित्रकार बना दिया।
- पुनर्जागरण चित्रकला ने हर पहलू में मौलिकता की छाप छोड़ी।

ललित कला

- ललित कला जैसे: संगीत खिल उठी।
- मध्यकालीन गीतों के चंगुल से इटली मुक्त हो गया था।
- **पियानो और वायलिन के प्रयोग ने गीत को मधुर बना दिया।**
- फिलिस्तीन एक महान गायक, संगीतकार और नए गीतों के मास्टर संगीतकार थे।
- **गिरजाघरों में, पुराने गीतों के स्थान पर नए प्रार्थना गीतों को शामिल किया गया।**

विज्ञान

- खगोल विज्ञान, चिकित्सा और विज्ञान के अन्य पहलुओं के विकास ने इस युग को विशिष्ट बना दिया।
- **भौतिक विज्ञान**
  - **पोलैंड के कोपरनिकस** ने अपनी पुस्तक में कहा कि सूर्य स्थिर है और पृथ्वी तथा अन्य ग्रह उसकी परिक्रमा करते हैं। ईसाई पुजारियों ने कोपरनिकस की तीखी आलोचना की।
  - इंग्लैंड के **सर आइजैक न्यूटन:** बुक प्रिंसिपिया में गुरुत्वाकर्षण के नियम के बारे में बताया।
- **खगोल**
  - **इटली के गैलीलियो:** टेलीस्कोप का आविष्कार किया और कॉपरनिकस के सिद्धांत को साबित किया। प्रमाणित किया की आकाशगंगा में तारे होते हैं।
  - **पेंडुलम सिद्धांत** ने बाद में घड़ियों का आविष्कार करने में मदद की।

- **रसायन विज्ञान**
    - **कॉर्डस** ने सल्फ्यूरिक एसिड और अल्कोहल से ईथर बनाया जो विज्ञान का एक और चमत्कार था
    - **होल्डमोंट:** "कार्बन डाइऑक्साइड" गैस की खोज।
- **शारीरिक संरचना**: सालियस: एक चिकित्सा वैज्ञानिक ने मानव शरीर के विभिन्न भागों का वर्णन किया।
- **दवा**
    - इंग्लैंड के **विलियम हार्वे** ने "रक्त परिसंचरण की प्रक्रिया" की खोज की।
    - पुनर्जागरण ने मानवतावाद का विकास किया और पुरुषों में अधिक से अधिक जानने की इच्छा को बढ़ाया।

पुनर्जागरण का महत्व

शिक्षा का नया रूप
- शिक्षा के क्षेत्र में महान परिवर्तन हुआ।
- शिक्षा का आधार बहुत विस्तृत हुआ।
- तर्क और आलोचनात्मक सोच पर जोर दिया गया।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण
- वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास ने नई खोजों और आविष्कारों को प्रोत्साहित किया।
- लोग चर्च के अंधविश्वासों और अर्थहीन कर्मकांडों की आलोचना करने लगे

समृद्ध क्षेत्रीय साहित्य
- क्षेत्रीय साहित्य को प्रोत्साहन दिया।
- लेखकों ने आम भाषाओं में मानवीय हितों के बारे में लिखना शुरू किया।

कला के नए रूप
- चित्रकला, मूर्तिकला, वास्तुकला, संगीत आदि के नए रूपों का विकास हुआ।
- ललित कलाओं के विकास के लिए बहुमूल्य सेवा प्रदान की।

उपनिवेशवाद की प्रक्रिया
- मानव सभ्यता की प्रगति में योगदान दिया।
- उपनिवेशवाद का मार्ग प्रशस्त किया।
- नाविकों के दिशा सूचक यंत्र के आविष्कार ने नेविगेशन को गति प्रदान की।

मजबूत राजशाही का विकास
- चर्च के अधिकार और सामंती व्यवस्था को गंभीर आघात पहुँचाया।
- अपने-अपने राष्ट्रों में शांति, सुरक्षा और राजनीतिक स्थिरता स्थापित की।

सुधार के लिए प्रस्तावना
- सुधार आंदोलन का मार्ग प्रशस्त किया।
- राजनीतिक स्थिरता ने प्रगति के लिए मार्ग प्रशस्त किया
- बौद्धिक गतिविधि ने अवैज्ञानिक पूछताछ की जगह ले ली।
- नई वैज्ञानिक भावना, पूछताछ, अवलोकन और प्रयोग की भावना ने लोगों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।
- उन्होंने चर्च के अधिकार पर भी सवाल उठाया।
- इन सभी कारकों ने सुधार को अपरिहार्य बना दिया।

2
CHAPTER

प्रबोधन का युग

- यह एक बौद्धिक, दार्शनिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आंदोलन था।
- **विस्तार: 17वीं - 18वीं शताब्दी** के दौरान पूरे यूरोप (मुख्यतः पश्चिमी यूरोप) में।
- इस युग को **ज्ञानोदय अथवा विवेक का युग** आदि अन्य नामों से भी जाना जाता है।
- यूरोप के मध्य युग से प्रस्थान का प्रतिनिधित्व किया।
- कई लोग ज्ञानोदय को "**प्रकाश से अंधकार के विस्थापन का युग"** मानते थे।
- कई विचार प्रबुद्धता पर हावी थे जैसे तर्कवाद, अनुभववाद, प्रगतिवाद, और विश्वव्यापीवाद आदि

प्रबोधन के उदय के कारण

- **पुनर्जागरण का युग:** कला, विज्ञान, राजनीति, साहित्य आदि में नए विचारों का उद्भव हुआ,
    - दा विंची, राफेल आदि की कला के माध्यम से मानवता पर ध्यान केंद्रित किया।
    - वैज्ञानिक क्रांतियों ने अंध विश्वास पर सवाल उठाये
    - स्थानीय भाषाओं के विकास के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना का उदय हुआ
- **तीस साल का युद्ध** (1618 से 1648) ने जर्मन लेखकों को राष्ट्रवाद और युद्ध के विचारों के बारे में कठोर आलोचना करने के लिए मजबूर किया।
- पुनर्जागरण ने **धर्मनिरपेक्ष विचारों को जन्म दिया** जिसने ज्ञानोदय की वैज्ञानिक क्रांति को जन्म दिया।
- **प्रोटेस्टेंट सुधारों ने धार्मिक युद्धों की एक श्रृंखला का नेतृत्व किया** जिसने लगभग एक सदी तक यूरोप को तबाह कर दिया।
- नगरों के उदय से सामंती राजतंत्रों का **राष्ट्र-राज्यों में परिवर्तन** हुआ।
- इन सभी कारकों ने चर्च के अधिकार और अंधविश्वास को कम कर दिया और तर्क के युग को जन्म दिया।
- **मजदूर वर्ग का उदय हुआ** जिसने मौजूदा निरंकुश राजनीतिक व्यवस्था का विरोध किया
- **मध्यम वर्ग का उदय हुआ**

प्रबोधन के लक्षण

कारण/तर्कवाद

- मानवीय तार्किकता को महत्त्व दिया। यह विश्वास जगाया कि तर्क की शक्ति से, मनुष्य सत्य तक पहुँच सकता है, अस्तित्व को नियंत्रित करने वाले प्राकृतिक नियमों की खोज कर सकता है, दुनिया को सुधार सकता है और मानव प्रगति की ओर ले जा सकता है।
- अतीत में यूरोप में प्रचलित परम्पराओं और स्वयं के लिए निर्णय लेने के लिए तर्क पर बल दिया गया

प्राकृतिक कानून / प्रकृतिवाद

- अलौकिक धार्मिक विचारों के विकल्प के रूप में वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।
- यह माना जाता था कि ब्रमांड को नियंत्रित करने वाले प्राकृतिक नियमों की खोज की जा सकती है।

मानवतावाद

- मानव कल्याण, मानव स्वतंत्रता, मानव गरिमा के इर्द-गिर्द घूमता है।
- यह उन सभी विचारों अथवा संस्थाओं को अस्वीकार करता है जो मनुष्य की प्रगति में बाधा उत्पन्न करते हैं। यह समाज, चर्च, निरंकुश राजशाही आदि हो सकता है।

व्यक्तिवाद

- इसने व्यक्ति और उसके जन्मजात अधिकारों के महत्व पर जोर दिया।

सापेक्षवाद

- इस अवधारणा के अनुसार विभिन्न संस्कृतियों, विश्वासों, विचारों और मूल्य प्रणालियों में समान योग्यता थी।

विचारकों और दार्शनिकों द्वारा निभाई गई भूमिका

- प्रबोधन को प्रभावित करने वाले दार्शनिकों में **बेकन, डेसकार्टेस, लोके और स्पिनोज़ा** आदि शामिल थे।
- **अन्य प्रमुख विचारक और दार्शनिक:** बेकारिया, डाइडरोट, ह्यूम, कांट, मोंटेस्क्यू, रूसो, एडम स्मिथ और वोल्टेयर आदि।
- दार्शनिक आंदोलन का **नेतृत्व वोल्टेयर और जीन-जैक्स रूसो** ने किया था
- **मोंटेस्क्यू ने सरकार में शक्तियों के पृथक्करण का विचार** पेश किया।
- **फ्रांसिस हचिसन ने उपयोगितावादी और परिणामवादी सिद्धांतों का वर्णन** किया।
- **लोके, हॉब्स और रूसो** इस बात से सहमत थे कि नागरिक समाज में रहने के लिए मनुष्य के लिए एक सामाजिक अनुबंध आवश्यक है।

जीन-जैक्स रूसो (1712-1778)

- जन्म: जिनेवा लेकिन फ्रांस में बस गए।
- **फ्रांसीसी क्रांति के लिए जमीन तैयार** की।
- **निजी संपत्ति की अवधारणा की आलोचना** की क्योंकि इसने सामाजिक असमानता पैदा की।
- **सभी के लिए स्वतंत्रता, समानता और न्याय की वकालत** की।
- **"असमानता पर प्रवचन"** (1755) ने इस विषय का विस्तार किया
- **"बहुमत की इच्छा हमेशा सही होती है" की धारणा पर सवाल उठाया**
- इनके अनुसार **सरकार का लक्ष्य** बहुमत की इच्छा की परवाह किए बिना, राज्य के भीतर सभी के लिए स्वतंत्रता, समानता और न्याय सुरक्षित करना।
- **अनुभव से सीखने पर विशेष जोर दिया** और उन्होंने बच्चे की भावनाओं को उसके तार्किक विकास से पहले शिक्षित किये जाने पर बल दिया।
- **द सोशल कॉन्ट्रैक्ट (1762) नामक पुस्तक लिखी**
- वह व्यक्तिगत स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध थे।
- उनके अनुसार एकमात्र अच्छी सरकार वह है जो लोगों द्वारा स्वतंत्र रूप से बनाई जाती है।
- उन्होंने **लोकतंत्र पर बल दिया** और समुदाय को व्यक्तिगत हितों से ऊपर रखने को कहा।

इमेनुअल कांट (1724-1804)

- ज्ञानोदय के सबसे प्रभावशाली दार्शनिक।
- उन्होंने दावा किया की हम किसी भी वस्तु को वैसे ही देखते है जैसे वह हमें दिखाई देती है।
- **'कोपरनिकन क्रांति' के सिद्धांत को प्रतिपादित किया** की ज्ञान वस्तुओं की बाहरी प्रकृति से नहीं बल्कि मानव तर्कसंगतता से निर्धारित होता है।
- इस दृष्टिकोण ने कई समस्याओं को संबोधित किया, जिन पर दार्शनिक चर्चा कर रहे थे और **जर्मन दर्शन में आदर्शवाद के उद्भव के लिए प्रेरित किया**।
- कांट के अनुसार **अनुभव मानवीय कारण से निर्मित होते हैं**
- वे **न्याय के सिद्धांत**, मनुष्य केवल वही समझ सकता है जो वर्तमान समय में चल रहा है, **में विशवास** रखते थे।
- उनके अनुसार भविष्यवाणी करना संभव नहीं है, जहां मनुष्य शामिल नहीं हैं।
- कांट का **नैतिक सिद्धांत:** बुराई खुशी पैदा नहीं कर सकती। अच्छे गुण मानव स्वभाव हैं।
- कांट के **प्रसिद्ध शिष्य**: फिच, शेलिंग और हेगेल, सभी महान दार्शनिक थे।

ज्ञानोदय और पुनर्जागरण

समानता

- दर्शन और धर्मशास्त्र का पृथक्करण जारी रहा।
- अधिकार के बजाय तर्क और अनुभव की शक्ति के लिए एक समान अपील।
- शिक्षा, सीखने और पढ़ने का क्रमिक प्रसार।

अंतर

पुनर्जागरण	प्रबोधन
उद्देश्य: शास्त्रीय विचारों को पुनर्जीवित करना	**उद्देश्य:** अतीत में जो हासिल किया गया था उससे आगे बढ़ाना
एक सांस्कृतिक परिवर्तन जिसने स**माज के कुछ वर्गों को प्रभावित किया**	**सामान्य, साधारण लोगों सहित समग्र रूप से समाज** के दैनिक जीवन **को प्रभावित किया।**
कला और मानविकी का प्रभुत्व है।	**विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्रभुत्व है।**

प्रभाव

- कई पुस्तकों, निबंधों, आविष्कारों, वैज्ञानिक खोजों, कानूनों, युद्धों और क्रांतियों को जन्म दिया। **अमेरिकी और फ्रांसीसी क्रांतियां सीधे इन आदर्शों से प्रेरित** थीं।
- **थॉमस जेफरसन** ने यूरोपीय विचारों का बारीकी से अध्ययन किया और बाद में इनमें से कुछ विचारों को **स्वतंत्रता की घोषणा (1776) में शामिल** किया। जिन्हे **संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान में** 1787 में शामिल किया गया था।
- धार्मिक (और धार्मिक विरोधी) नवाचार शुरू हुआ, क्योंकि ईसाइयों ने तर्कसंगत लाइनों के साथ अपने विश्वास को पुनर्स्थापित करने की मांग की।
- **1789 की फ्रांसीसी क्रांति:** प्रबुद्धता की दृष्टि की पराकाष्ठा थी जिसमें समाज के तर्कसंगत आधार पर पुनर्गठन के लिए पुराने अधिकारियों को उखाड़ फेंका गया
- समतावाद के लक्ष्य ने प्रारंभिक नारीवादी **मैरी वोलस्टोनक्राफ्ट को प्रभावित** किया।

प्रबोधन के युग का अंत

- ज्ञानोदय कई स्रोतों से **प्रतिस्पर्धी विचारों का शिकार** हुआ।
  - **स्वच्छंदतावाद** कम पढ़े-लिखे आम लोगों के लिए अधिक आकर्षक था और उन्हें पहले के प्रबुद्धता दार्शनिकों के अनुभवजन्य वैज्ञानिक विचारों से दूर खींच लिया।
  - **संशयवाद** के सिद्धांत ज्ञानोदय के कारण-आधारित दावे के साथ सीधे संघर्ष में आ गए
- **फ्रांसीसी क्रांति** ने अचानक इस युग का अंत कर दिया
  - इसमें हुई हिंसा ने प्रमाणित किया की **जनता पर स्वशासन के लिए भरोसा नहीं किया जा सकता** है।
- बहरहाल, प्रबुद्ध दार्शनिकों की खोजों और सिद्धांतों ने सदियों तक पश्चिमी समाज को प्रभावित करना जारी रखा।